

॥ हयग्रीवस्तोत्रम् ॥

.. hayagrIvastotraM ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

---

# Document Information

---

Text title : hayagrIvastotraM  
File name : hayagriva.itx  
Location : doc\_vishhnu  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org  
Proofread by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org  
Latest update : November 1, 2010  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

॥ हयग्रीवस्तोत्रम् ॥

॥ हयग्रीवसम्पदास्तोत्रम् ॥

हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति वादिनम् ।

नरं मुंचन्ति पापानि दरिद्रमिव योषितः ॥ १ ॥

हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति यो वदेत् ।

तस्य निस्सरते वाणी जह्नुकन्या प्रवाहवत् ॥ २ ॥

हयग्रीव हयग्रीव हयग्रीवेति यो ध्वनिः ।

विशोभते स वैकुण्ठ कवाटोद्घाटनक्षमः ॥ ३ ॥

श्लोकत्रयमिदं पुण्यं हयग्रीवपदांकितम्

वादिराजयतिप्रोक्तं पठतां सम्पदां पदम् ॥ ४ ॥

॥ इति श्रीमद्वादिराजपूज्यचरणविरचितम् हयग्रीवसम्पदास्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

॥ भारतीरमणमुख्यप्राणांतर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

Encoded by Shrisha Rao shrao at dvaita.org

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. hayagrIvastotraM ..  
was typeset on July 25, 2016

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

